



भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. १८१]

नई दिल्ली, शक्रवार, मार्च 31, 1989/चक्र 10, 1911

No. 1811

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 31, 1989 CHAITRA 10, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय
(प्राश्नागर विभाग विभाग)

श्रीः

नई दिल्ली, ३१ मार्च १९५९

का प्र.। ३१७(प्र)।१८६/वाई डी.प्रार.पू./९१। --भारत सरकार के उद्योग मन्त्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) क आदेश सं. ३२०(प्र)।१८६/वाई डी.प्रार.पू./७५, तारीख ६ मई, १९७९ द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) नेनेन गंगा जेवर कम्पना प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता नामक अपूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रवेश उद्योग (विभागात्तर नियंत्रण अधिनियम, १९५१ (१९५१ का ६५) की धारा १८कक की उपधारा (१) के खंड (क) क प्रतीति २५ मई, १९७९ तक की, जिसमें यह तारीख श्री सम्मिलित है, तीन वर्ष को अवधि क लिए प्रमाण किया गया था और मान्य, अन्य औद्योगिक उद्योग, औद्योगिक पुनर्निर्माण विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रवेश ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था।

और केन्द्रीय सरकार ने अपनी यह राय होने पर कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त आदेश पूर्वोक्त तीन वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात् प्रभावी बना रहे, 31 मार्च, 1989 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के निर्देशों तारीखों के निर्देशों समय समय पर निवेश जारी किए थे। [देखिए भारत सरकार के उद्योग पत्राचार (प्रोड्यूसिबिलिटी विभाग)] के आदेश सं. का.पा. 246(घ)/18कक/आई.डी.आर.ए./82, तारीख 25 मई, 1982

सं. का.पा. 832(घ)/18कक/आई.डी.आर.ए./82, तारीख 24 नवम्बर, 1982

सं. का.पा. 385(घ)/18कक/आई.डी.आर.ए./83, तारीख 31 मई, 1983

सं. का.पा. 872(अ) 18कक/आई.डी.आर.ए./83, तारीख 30 नवम्बर, 1983

सं. का.पा. 472(घ)/18कक/आई.डी.आर.ए./84, तारीख 28 जून, 1984,

सं. का.पा. 975(घ)/18कक/आई.डी.आर.ए./84, तारीख 29 दिसम्बर, 1984

सं. का.पा. 275(घ)/18कक/आई.डी.आर.ए./85, तारीख 29 मार्च, 1985

सं. का.पा. 146(घ)/18कक/आई.डी.आर.ए./85, तारीख 31 मार्च, 1986

सं. का.पा. 266(घ)/18कक/आई.डी.आर.ए./87, तारीख 30 मार्च, 1987

और सं. का.पा. 326(घ)/18कक/आई.डी.आर.ए./88, तारीख 30 मार्च, 1988

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त आदेश 31 मार्च, 1990 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के प्रभावों बना रहे।

आतः अत्र, केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (2) के परन्तुक के साथ पठित धारा 18कक को उपधारा (2) द्वारा प्रबल शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि उक्त आदेश 31 मार्च, 1990 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[का.प. 2(23)/80-सी यू एस]

आर.के.विन्हा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 31st March, 1989

S.O. 247(E)/18AA/IDRA/89—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 320(E)/18AA/IDRA/79, dated the 26th May, 1979 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the whole of the industrial undertaking known as Messrs Apollo Zipper Company Private Limited, Calcutta was taken over under clause (a) of sub-section (1) of Section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of three years upto and inclusive of the 25th May, 1982 and the Secretary, Closed and Sick Industries, Industrial Reconstruction Department, Government of West Bengal, was authorised to take over the management of the said Industrial Undertaking.

And, whereas, the Central Government being of opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect after the expiry of the period of three years aforesaid, had issued directions from time to time, for such continuance for a further period upto and inclusive of the 31st March, 1989 [vide Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos.

- S.O. 246(E)/18AA/IDRA/82, dated the 25th May, 1982;
- S.O. 832(E)/18AA/IDRA/82, dated the 24th November, 1982;
- S.O. 385(E)/18AA/IDRA/83, dated the 31st May, 1983;
- S.O. 872(E)/18AA/IDRA/83, dated the 30th November, 1983;
- S.O. 472(E)/18AA/IDRA/84, dated the 28th June, 1984;
- S.O. 975(E)/18AA/IDRA/84, dated the 19th December, 1984;
- S.O. 275(E)/18AA/IDRA/85, dated the 29th March, 1985;
- S.O. 146(E)/18AA/IDRA/86, dated the 31st March, 1986;
- S.O. 266(E)/18AA/IDRA/87, dated the 30th March, 1987 and
- S.O. 326(E)/18AA/IDRA/88, dated the 30th March, 1988.

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect for a period upto and inclusive of 31st March, 1990.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 18AA read with the proviso to sub-section (2) of Section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 31st March, 1990.

[F.No. 2(23)/80-CUS]
R K. SINHA, Jt. Secy.

